DEPARTMENT OF HINDI

COURSE CURRICULUM & MARKING SCHEME

M.A. HINDI

Semester – I

SESSION : 2022-23

ESTD: 1958

GOVT. V.Y.T. PG AUTONOMOUS COLLEGE,

DURG, 491001 (C.G.)

(Former Name – Govt. Arts & Science College, Durg)

NAAC Accredited Grade A^+, College with CPE - Phase III (UGC), STAR COLLEGE (DBT)

Phone : 0788-2212030

Website - www.govtsciencecollegedurg.ac.in, Email – autonomousdurg2013@gmail.com

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय
दुर्ग (छ.ग.)

हिन्दी विभाग

पाठ्यक्रम
सत्र 2022–2023

एम.ए. हिन्दी
प्रथम सेमेस्टर

हिन्दी विभाग

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग (छ.ग.)

शैक्षणिक सत्र **2022–2023** हेतु अध्ययन मंण्डल द्वारा अनुमोदित एम.ए. हिन्दी का पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रमानुसार प्रश्नपत्रों का विवरण

प्रथम सेमेस्टर 2022–2023

प्रश्नपत्र प्रथम :– हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं पूर्व मध्यकाल) भाग–1	**प्रश्नपत्र द्वितीय :–** प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य (रासो काव्य एवं निर्गुण भक्ति काव्य) भाग–1
प्रश्नपत्र तृतीय :– काव्य शास्त्र तथा साहित्यालोचन (साहित्य के सिद्धांत तथा आलोचना शास्त्र) भाग–1	**प्रश्नपत्र चतुर्थ :–** आधुनिक गद्य साहित्य (नाटक एवं कहानी) भाग–1
प्रश्नपत्र पंचम :– जनपदीय भाषा एवं साहित्य : छत्तीसगढ़ी (छत्तीसगढ़ी भाषा संस्कृति एवं लोक वाड्मय) भाग–1	**प्रश्नपत्र पंचम :– वैकल्पिक** लोक साहित्य भाग –01

शैक्षणिक सत्र **2022–2023** हेतु एम.ए. हिन्दी का अनुमोदित पाठ्यक्रम
हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विभागाध्यक्ष :– **डॉ. अभिनेष सुराना** **विषय विशेषज्ञ** :– **डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक** **विषय विशेषज्ञ** :– **डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य** **विषय विशेषज्ञ** :– **डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक** **उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि** :– **डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास** **अन्य विभाग के प्राध्यापक** :– **श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत**	**विभागीय सदस्य** **डॉ. बलजीत कौर** **प्रो.थानसिंह वर्मा** **डॉ. जयप्रकाश साव** **डॉ. कृष्णा चटर्जी** **छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र** दीपक सोनी

- **मूल्यांकन – प्रणाली**

- सैद्धांतिक प्रश्नपत्र 80 अंक = 04 क्रेडिट

सत्र 2022–2023 से स्वशासी स्नातकोत्तर परीक्षाओं के लिए प्रश्नपत्र के प्रारूप में संशोधन किया गया है। संशोधित प्रारूप प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के सभी प्रश्नपत्रों के लिए लागू होगा। नए प्रारूप के मुख्य बिंदु निम्नानुसार हैं –

i. प्रश्नपत्र 80 अंकों (04 क्रेडिट) का होगा।

ii. प्रत्येक प्रश्नपत्र में इकाईवार प्रश्न पूछे जाएँगे।

iii. जिन प्रश्नपत्रों में साहित्यिक पाठ सम्मिलित नहीं है, उनमें प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न पूछे जायेंगे –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर) अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न	(150 से 200 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त	04 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न	(300 से 350 शब्दों में उत्तर) विकल्पयुक्त	12 अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

नोट :

1. प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
2. प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
3. उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्र न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।
4. हिंदी साहित्य के जिन प्रश्नपत्रों की पाठ्यवस्तु में साहित्यिक कृतियों के पाठ सम्मिलित हैं, उनमें भी लघूत्तरी प्रश्न के स्थान पर प्रत्येक इकाई से एक व्याख्यात्मक प्रश्न होगा, किन्तु अंक विभाजन निम्नानुसार होगा –

प्रश्न 1.	अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	2 अंक
प्रश्न 2.	अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	2 अंक
प्रश्न 3.	व्याख्यात्मक प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर)	6 अंक
प्रश्न 4.	आलोचनात्मक प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर)	10 अंक

(परीक्षार्थी व्याख्यात्मक प्रश्न का उत्तर निर्धारित शब्द सीमा और निर्धारित अंकों को ध्यान में रखते हुए दें।)

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी(2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1x10 = 10 अंक	1x10=10 अंक	1x10= 10अंक	1x10 = 10 अंक

5. आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा निम्नानुसार होगी –

आंतरिक मूल्यांकन 20 अंक = 01 क्रेडिट

- इकाई जाँच परीक्षा – प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र में 20 अंकों की एक जाँच परीक्षा ।
- सत्रीय गृहकार्य – प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र से कोई 02 विषयों का चयन कर उन पर केन्द्रित आलेख तैयार करना होगा। आलेख तैयार करने हेतु मानक संदर्भ सामग्री का उपयोग किया जाना चाहिये। प्रयुक्त संदर्भ पुस्तकों के शीर्षक, लेखक, प्रकाशन वर्ष तथा प्रकाशक का समुचित विवरण आलेख के अंत में यथाविधि किया जाना चाहिये।
- सेमीनार प्रस्तुति (पावर प्वाइंट के माध्यम से) – 20 अंक
  आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत किसी एक प्रश्नपत्र में सेमीनार होगा । सेमीनार का मूल्यांकन मौखिक प्रस्तुति एवं खुली चर्चा (10 अंक) तथा आलेख (10 अंक) के आधार पर किया जाएगा ।
- सेमीनार वाले प्रश्नपत्र को छोड़कर शेष सभी प्रश्नपत्रों में से प्रत्येक में सत्रीय कार्य (20 अंक)
  अर्थात किसी एक प्रश्नपत्र में आंतरिक जाँच परीक्षा + सेमीनार तथा शेष प्रश्नपत्रों में आंतरिक जांच परीक्षा + सत्रीय कार्य के लिये परीक्षार्थी के प्राप्तांकों के औसत की गणना कर उसे मान्य किया जाएगा।

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विद्यार्थियों के लिए सामान्य निर्देश

1. विद्यार्थियों को प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्नपत्र तथा आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा में न्यूनतम 20 प्रतिशत अंक पृथक–पृथक प्राप्त करना होगा ।
2. सेमेस्टर परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए परीक्षार्थी को कुल मिलाकर 36 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे ।
3. आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत आंतरिक जांच परीक्षा (Class Test), सत्रीय गृह कार्य (Home Assignment) तथा सेमीनार प्रस्तुति सम्मिलित होंगे ।
4. **क.** आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए दो आंतरिक (अर्थात जॉच परीक्षा तथा सत्रीय मूल्यांकन) परीक्षाओं में परीक्षार्थी को प्राप्त अंक के औसत की गणना कर उसमें प्राप्तांक में सम्मिलित किया जाएगा। इसमें 20 अंक होंगे।

   ख. प्रत्येक सेमेस्टर में आंतरिक मूल्यांकन के अंतर्गत किसी एक प्रश्न पत्र में सेमीनार होगा। सेमीनार के लिए 20 अंक निर्धारित हैं। सेमीनार के अंतर्गत प्रत्येक विद्यार्थी को मौखिक प्रस्तुति देनी होगी तथा उसका लिखित आलेख प्रस्तुत करना होगा। मौखिक प्रस्तुति के लिए 10 अंक तथा लिखित आलेख के लिए भी 10 अंक होंगे। मौखिक प्रस्तुति के बाद उस पर खुली चर्चा होगी।

   ग. सेमिनार वाले प्रश्नपत्र के अतिरिक्त शेष सभी प्रश्नपत्रों में 20 अंकों का सत्रीय कार्य होगा।

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

दीपक सोनी

प्रथम सेमेस्टर हेतु पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन
सत्र 2022–2023

प्रश्नपत्र क्रमांक	प्रश्न पत्र का शीर्षक	सैद्धांतिक		आंतरिक		क्रेडिट
		अधिकतम	न्यूनतम	अधिकतम	न्यूनतम	
I	हिन्दी साहित्य का इतिहास	80	16	20	04	5
II	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	80	16	20	04	5
III	काव्य शास्त्र तथा साहित्यालोचन	80	16	20	04	5
IV	आधुनिक गद्य साहित्य	80	16	20	04	5
V	जनपदीय भाषा एवं साहित्य : छत्तीसगढ़ी (छत्तीसगढ़ी भाषा, संस्कृति और लोक वाङ्.मय) / लोक साहित्य भाग – 01 वैकल्पिक प्रश्नपत्र	80	16	20	04	5
	कुल अंक	400	80	100	20	25

टीप :– सैद्धांतिक प्रश्न पत्र में 20 अंक = 01 क्रेडिट अंक होंगे।

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विभागाध्यक्ष :– डॉ. अभिनेष सुराना	**विभागीय सदस्य**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक	**डॉ. बलजीत कौर**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य	**प्रो.थानसिंह वर्मा**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक	**डॉ. जयप्रकाश साव**
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास	**डॉ. कृष्णा चटर्जी**
अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत	**छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र** दीपक सोनी

सत्र 2022–2023
एम. ए. प्रथम सेमेस्टर
प्रश्नपत्र : प्रथम
हिन्दी साहित्य का इतिहास (भाग–1)
(आदिकाल एवं पूर्व मध्यकाल)
पाठ्यक्रम कोड – MHN – 101

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यार्थियों को –

1. इतिहास–दर्शन और साहित्य के इतिहास के बीच के संबंधों से अवगत कराना।
2. हिन्दी भाषी समाज और साहित्य के ऐतिहासिक संबंधों की पारस्परिक निर्भरता से परिचित कराना।
3. भक्ति आंदोलन के सामाजिक परिप्रेक्ष्य और राष्ट्रीय सामासिक संस्कृति के विकास में उसके प्रभाव को समझने की दृष्टि विकसित होगी।
4. भारतीय संस्कृति के बहुलतावादी और समन्वयवादी स्वरूप पर विश्वास पैदा होगा।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई 1 आदिकाल – इतिहास दर्शन और साहित्येतिहास ।
हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्यायें।
हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल–विभाजन और नामकरण, नामकरण की समस्यायें ।

इकाई 2 हिन्दी साहित्य के आदिकाल की पृष्ठभूमि, वीरगाथा काल तथा रासो काव्य, सिद्ध, नाथ एवं जैन साहित्य, साहित्य प्रवृत्तियाँ, काव्य धाराएँ, प्रतिनिधि रचनाकार ।

इकाई 3 पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल)
सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति – आंदोलन, भक्ति काल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, विभिन्न काव्य–धाराएँ, संतकाव्य–सामान्य प्रवृत्तियाँ ।

इकाई 4 सूफी प्रेमाख्यानक काव्य – प्रवृत्तियाँ, प्रेमाख्यानक परम्परा और हिन्दी में उसका विकास । रामभक्ति काव्य, कृष्णभक्ति काव्य – सामान्य प्रवृत्तियाँ और दार्शनिक विचार धाराएँ, उपलब्धियाँ ।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम –

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थी को

1. इतिहास–दर्शन और साहित्येतिहास के बीच सम्बंधों का ज्ञान होगा।
2. हिन्दी–साहित्य के ऐतिहासिक विकास और हिंदी समाज के विकास के बीच पारस्परिक सम्बंध की समझ निर्मित होगी।
3. भक्ति आंदोलन के सामाजिक परिप्रेक्ष्य और राष्ट्रीय सामासिक संस्कृति के विकास में उसके प्रभाव को समझने की प्रक्रिया और दृष्टिकोण से अवगत होंगें।
4. भारतीय संस्कृति के बहुलतावादी और उसके समन्वयवयात्मक स्वरूप पर विश्वास पैदा होगा।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न	(150 से 200 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	04 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न	(300 से 350 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	12 अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाईयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – संशोधित – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास – (नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, दिल्ली) – डॉ. नगेन्द्र
4. आदिकालीन हिन्दी साहित्य – (विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी) – डॉ. शम्भूनाथ पाण्डेय
5. आदिकालीन हिन्दी साहित्य सांस्कृतिक पीठिका – (हिन्दी ग्रंथ अकादमी) – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विभागाध्यक्ष :– डॉ. अभिनेष सुराना	**विभागीय सदस्य**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक	**डॉ. बलजीत कौर**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य	**प्रो.थानसिंह वर्मा**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक	**डॉ. जयप्रकाश साव**
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास	**डॉ. कृष्णा चटर्जी**
अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत	**छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र**

सत्र 2022–2023
प्रथम सेमेस्टर
प्रश्न पत्र : द्वितीय
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य भाग–1
(रासो काव्य एवं निर्गुण भक्ति काव्य)
पाठ्यक्रम कोड – MHN – 102

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यर्थियों में–

1. मध्यकालीन सामंती समाज के भीतर विकसित काव्यबोध की सामान्य जानकारी और समझ विकसित करना।
2. भक्ति आंदोलन के दौरान विशिष्ट प्रतिरोध की संस्कृति के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना।
3. मध्यकालीन संस्कृति के अध्ययन के प्रति अभिरुचि विकसित करना।
4. प्राचीन भारतीय समाज और संस्कृति के संवेदनात्मक पक्ष की सामान्य समझ विकसित करना।

पाठ्यक्रम विवरण –

इकाई 1. चंदबरदाई : पृथ्वीराज रासो (संपादक आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. नामवर सिंह) रेवातट समय।

इकाई 2. विद्यापति – विद्यापति पदावली : रामवृक्ष बेनीपुरी (प्रारंभिक 25पद)

इकाई 3. कबीर ग्रंथावली : संपादक डॉ. श्यामसुंदर दास (100 साखियाँ तथा प्रारंभिक 25 पद)
साखियाँ – गुरूदेव कौ अंग 1 से 20, सुमिरण कौ अंग 1 से 10, विरह कौ अंग 1 से 10, ग्यान विरह कौ अंग 1 से 10, परचा कौ अंग 1 से 10, रस कौ अंग 1 से 5, निहकर्मी पतिव्रता कौ अंग 1 से 10, चितावणी कौ अंग 1 से 10, माया कौ अंग 1 से 5, काल कौ अंग 1 से 10 ।

इकाई 4. मलिक मोहम्मद जायसी : पद्मावत (संपादक आ. रामचन्द्र शुक्ल)। (नागमती विरह खण्ड एवं मानसरोदक खण्ड) रासो काव्य परंपरा, निर्गुण काव्य की ज्ञानाश्रयी एवं प्रेमाश्रयी शाखा : अवधारणा एवं व्यवहार

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

1. मध्यकालीन सामंती समाज के भीतर विकसित काव्यबोध की जानकारी और समझ विकसित होगी।
2. भक्ति आंदोलन के प्रतिवादी स्वभाव का ज्ञान हो सकेगा।
3. मध्यकालीन साहित्य संस्कृति के प्रति अभिरूचि जागृत होगी।
4. प्राचीन काल के हिंदी साहित्य की सामाजिक संवेदना का ज्ञान होगा।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न (एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02अंक
प्रश्न 3. व्याख्यात्मक प्रश्न (150 से 200 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	06अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न (300 से 350 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	10अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी(2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक

दीपकसोनी

दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1x10 = 10 अंक	1x10=10 अंक	1x10= 10अंक	1x10 = 10 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाइयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. चंदबरदाई – डॉ. विपिन बिहारी द्विवेदी
2. कबीर की विचार धारा – डॉ. गोविन्द त्रिगुणायत
3. प्रमुख प्राचीन कवि – डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना
4. कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी
5. जायसी की विशिष्ट शब्दावली – डॉ. इंदिरा कुमारी सिंह का विश्लेषणात्मक अध्ययन
6. मलिक मोहम्मद जायसी और उनका काव्य – डॉ. शिवसहाय पाठक
7. अमीर खुसरों और उनका साहित्य – डॉ. भोलानाथ तिवारी
8. जायसी :– विजय देवनारायण साही

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विभागाध्यक्ष :– **डॉ. अभिनेत्र सुराना**	**विभागीय सदस्य**
विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक**	**डॉ. बलजीत कौर**
विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य**	**प्रो.थानसिंह वर्मा**
विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक**	**डॉ. जयप्रकाश साव**
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– **डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास**	**डॉ. कृष्णा चटर्जी**
अन्य विभाग के प्राध्यापक :– **श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत**	**छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र** दीपक सोनी

सत्र 2022–2023
प्रथम सेमेस्टर
प्रश्नपत्र : तृतीय
काव्य शास्त्र तथा साहित्यालोचन (भाग–1)
(साहित्य के सिद्धांत तथा आलोचना शास्त्र)
पाठ्यक्रम कोड – MHN – 103

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यर्थियों को–

1. भारतीय तथा पाश्चात्य साहित्य के शास्त्रीय मानदंडों से परिचित कराना।
2. साहित्य के आशंसन तथा मूल्यांकन की प्रक्रिया और पद्धतियों से अवगत कराना।
3. साहित्य की आलोचना की शास्त्रीय तथा उन्मुक्त प्रणालियों के प्रति अभिरुचि तथा इस विषय में जागरूकता उत्पन्न करना।
4. काव्यशास्त्रीय पद्धतियों के आधार पर समकालीन साहित्य की आलोचना की समझ और दृष्टि से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई 1. भारतीय काव्यशास्त्र
– काव्य–लक्षण, काव्य हेतु, काव्य–प्रयोजन और काव्य के प्रकार।
– रस–सिद्धांत : रस का स्वरूप, रस–निष्पत्ति और साधारणीकरण, रस के अंग।

इकाई 2. अलंकार सिद्धांत, रीति सिद्धांत, वक्रोक्ति सिद्धांत, ध्वनि–सिद्धांत और औचित्य–सिद्धांत।

इकाई 3. पाश्चात्य काव्य शास्त्र – प्लेटो : काव्य–सिद्धांत, अरस्तू : अनुकरण–सिद्धांत, विरेचन–सिद्धांत, त्रासदी–विवेचन, लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा।

इकाई 4.
मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप एवं प्रकार्य ।
कॉलरिज : कल्पना–सिद्धांत और ललित कल्पना ।
टी.एस.इलियट : कला की निर्वैयक्तिकता, परम्परा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा।
क्रिस्टोफर कॉडवेल : कविता की उत्पत्ति।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

1. भारतीय तथा पाश्चात्य साहित्य के शास्त्रीय मानदण्डों से परिचय हो सकेगा।
2. साहित्य के आशंसन एवं मूल्यांकन की दृष्टि विकसति हो सकेगी।
3. आलोचना की शास्त्रीय तथा उन्मुक्त पध्दति का ज्ञान हो सकेगा।
4. काव्यशास्त्रीय पद्धति के आधार पर वर्तमान समय के साहित्य की आलोचना का पद्धतिगत ज्ञान हो सकेगा।

अंक विभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नानुसार प्रश्न होगें –

प्रश्न 1. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 2. अति लघूत्तरी प्रश्न	(एक या दो वाक्यों में उत्तर)	अनिवार्य	02 अंक
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न	(150 से 200 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	04 अंक
प्रश्न 4. दीर्घ उत्तरी प्रश्न	(300 से 350 शब्दों में उत्तर)	विकल्पयुक्त	12 अंक

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी (2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक	1 x 4 = 4 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक	1 x 12 = 12 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाईयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ ग्रंथ :—

1.	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत	:	डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त
2.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र, इतिहास, सिद्धांत एवं वाद	:	डॉ. भगीरथ मिश्र
3.	भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज	:	डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
4.	मार्क्सवादी सौंदर्यशास्त्र	:	डॉ. शिवकुमार मिश्र
5.	भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका	:	डॉ. नगेन्द्र
6.	पाश्चात्य साहित्य—चिंतन	:	डॉ. निर्मला जैन
7.	भारतीय और पाश्चात्य साहित्य—चिंतन	:	मूलजी भाई
8.	आधुनिकता, साहित्य के संदर्भ में	:	डॉ. गंगा प्रसाद विमल
9.	विभ्रम और यथार्थ	:	क्रिस्टोफर कॉडवेल

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :—**

विभागाध्यक्ष :— **डॉ. अभिनेष सुराना**	**विभागीय सदस्य**
विषय विशेषज्ञ :— **डॉ. शंकरमुनि राय,** **सहायक प्राध्यापक**	**डॉ. बलजीत कौर**
विषय विशेषज्ञ :— **डॉ. कोमल सिंह शार्वा,** **सेवा निवृत्त प्राचार्य**	**प्रो.थानसिंह वर्मा**
विषय विशेषज्ञ :— **डॉ. उमाकांत मिश्र,** **सहायक प्राध्यापक**	**डॉ. जयप्रकाश साव**
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :— **डॉ. दादूलाल जोशी,** **संपादक विचार विन्यास**	**डॉ. कृष्णा चटर्जी**
अन्य विभाग के प्राध्यापक :— **श्री जैनेन्द्र दीवान,** **सहायक प्राध्यापक, संस्कृत**	**छात्रप्रतिनिधि — श्री दीपक सोनी,** **भूतपूर्व छात्र**

सत्र 2022–2023
प्रथम सेमेस्टर
प्रश्न पत्र : चतुर्थ
आधुनिक गद्य साहित्य (भाग–1)
(नाटक एवं कहानी)
पाठ्यक्रम कोड – MHN – 104

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यर्थियों को–

1. हिंदी नाटकों की आधुनिक संवेदना और समकालीन जीवन-बोध के सम्बंधों के प्रति सजगता प्रदान करना।
2. हिंदी नाट्य-परंपरा के अध्ययन के प्रति उन्मुख करना।
3. हिंदी-गद्य के वैभव और संवेदनात्मक उत्कर्ष– विशेषतः निबंध और कहानी के संदर्भ, में सामान्य जानकारी प्रदान करना।
4. हिंदी में गद्य लेखन के प्रति रचनात्मक रूप से उन्मुख और अभिप्रेरित करना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई 1 : **नाटक** : स्कंदगुप्त – जयशंकर प्रसाद

इकाई 2 : **नाटक** : आधे अधूरे – मोहन राकेश

इकाई 3 : **निबंध**

1. चढ़ती उमर – बालकृष्ण भट्ट
2. कविता क्या है – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
3. भारतीय साहित्य की प्राण शक्ति – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. जानि शरद ऋतु खंजन आए – रामवृक्ष बेनीपुरी
5. चन्द्रमा मनसो जातः – विद्या निवास मिश्र
6. वैष्णव की फिसलन – हरिशंकर परसाई

इकाई 4 : **कहानी** : कथा परिदृश्य (संपादक डॉ. सतीश जनार्दन केकरे एवं प्रो. के.एन. झा)

1. उसने कहा था – चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
2. गुंडा – जय शंकर प्रसाद
3. कफन – प्रेमचन्द
4. जाह्नवी – जैनेन्द्र कुमार
5. कितने पाकिस्तान – कमलेश्वर
6. वापसी – उषा प्रियंवदा

पाठ्यकम अधिगम परिणाम

1. हिन्दी की आधुनिक नाट्य–परम्परा का ज्ञान हो सकेगा।
2. हिन्दी–निबंध के गद्यात्मक वैभव का साक्षात्कार हो सकेगा।
3. हिन्दी–कहानी की परम्परा का ज्ञान हो सकेगा।
4. गद्य–लेखन का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त हो सकेगा।

अंक विभाजन

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी(2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1x10 = 10 अंक	1x10=10 अंक	1x10= 10अंक	1x10 = 10 अंक

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाईयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ ग्रंथ :–

1. हिन्दी नाटक उद्‌भव और विकास : डॉ. दशरथ ओझा
2. हिन्दी नाटक सिद्धांत और विवेचन : डॉ. गिरीश रस्तोगी
3. हिन्दी नाटक पुनर्मूल्यांकन : डॉ. सत्येन्द्र तनेजा
4. समसामयिक हिन्दी नाटकों में चरित्र सृष्टि : डॉ. जयदेव तनेजा
5. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
6. हिन्दी निबंध के आधार स्तंभ : डॉ. हरिमोहन
7. आधुनिक हिन्दी नाटक : डॉ. नगेन्द्र
8. हिन्दी कहानी उद्‌भव और विकास : डॉ. सुरेश सिन्हा
9. कहानी स्वरूप और संवेदना : श्री राजेन्द्र यादव
10. हिन्दी कहानियों की शिल्प विधि का विकास : लक्ष्मीनारायण लाल
11. कहानी : नयी कहानी : डॉ. नामवर सिंह
12. नाटक, रंगमंच और मोहन राकेश : डॉ. सुरेन्द्र यादव
13. प्रसाद युगीन हिन्दी नाटक : डॉ. भगवती प्रसाद शुक्ल
14. प्रसाद युगीन हिन्दी नाट्य शिल्प : डॉ. शांति स्वरूप गुप्त
15. नाटककार मोहन राकेश : डॉ. सुन्दर लाल कथूरिया

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विभागाध्यक्ष :– डॉ. अभिनेष सुराना **विषय विशेषज्ञ :– डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक** **विषय विशेषज्ञ :– डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य** **विषय विशेषज्ञ :– डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक** **उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास** **अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत**	**विभागीय सदस्य** **डॉ. बलजीत कौर** **प्रो.थानसिंह वर्मा** **डॉ. जयप्रकाश साव** **डॉ. कृष्णा चटर्जी** **छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र**

सत्र 2022–23
प्रथम सेमेस्टर
प्रश्नपत्र : पांचवाँ
जनपदीय भाषा एवं साहित्य : छत्तीसगढ़ी (भाग–1)
छत्तीसगढ़ी भाषा, संस्कृति एवं लोक वाड्.मय
पाठ्यक्रम कोड – MHN – 105A

पूर्णांक :– 80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है, विद्यर्थियों में–

1. छत्तीसगढ़ के भौगोलिक स्वरूप, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक वैशिष्ट्य का सामान्य बोध उत्पन्न करना।
2. छत्तीसगढ़ी के लोक-साहित्य से परिचय तथा उसके प्रति रुचि विकसित करना।
3. छत्तीसगढ़ी लोक-जीवन के विषय में सामान्य जानकारी तथा छत्तीसगढ़ी जानने-सीखने की प्रेरणा उत्पन्न करना।
4. छत्तीसगढ़ी संस्कृति, परंपरा और रीति-रिवाज से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई 1. छत्तीसगढ़ – सामान्य परिचय, भौगोलिक विस्तार, ऐतिहासिकता, नामकरण, सांस्कृतिक वैशिष्ट्य, भाषाएँ एवं बोलियाँ, छत्तीसगढ़ी का उद्विकास, भाषिक स्वरूप एवं व्याकरणिक विशेषताएँ।

इकाई 2. छत्तीसगढ़ी लोकवार्त्ता : छत्तीसगढ़ का लोकजीवन, लोक परंपराएँ, रीति रिवाज, पर्व, त्यौहार, लोकसाहित्य, लोककाव्य, लोकगाथा, लोककथा, लोकनाट्य का परिचयात्मक अध्ययन।

इकाई 3. छत्तीसगढ़ी लोककाव्य : विभिन्न विधाएँ–करमा, ददरिया, सुआ, विवाह, सोहरगीत (प्रत्येक विधा से संबंधित दो लोकगीत) ।

इकाई 4. छत्तीसगढ़ी लोकगाथा : दसमत कैना (पाठ एवं विश्लेषण) ।
छत्तीसगढ़ी लोककथा : सबले बड़े के खोज, चतुरा सगा, जा रे ठेकवा नेवता खा, घोड़ीवाला जिमीदार।

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम

1. छत्तीसगढ़ के भौगोलिक स्वरूप, ऐतिहासिकता और सांस्कृतिक वैशिष्ट्य का ज्ञान होगा।
2. छत्तीसगढ़ी के लोक साहित्य से परिचय हो सकेगा।
3. छत्तीसगढ़ी लोक जीवन के विषय में सामान्य जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
4. छत्तीसगढ़ी जानने–सीखने की प्रेरणा उत्पन्न होगी। साथ ही छत्तीसगढ़ी संस्कृति, परम्परा, रीति–रिवाज से परिचय होगा।

अंक विभाजन

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी(2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1x10 = 10 अंक	1x10=10 अंक	1x10= 10अंक	1x10 = 10 अंक

दीपकसोनी

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाईयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ :–

1. छत्तीसगढी भाषा और साहित्य : सं.डॉ.सत्यभामा आडिल, विकल्प प्रकाशन, एम.आई.जी.5, सेक्टर 1,शंकर नगर, रायपुर
2. छत्तीसगढी साहित्य दशा और दिशा : नंद किशोर तिवारी, अमीन पारा चौक, पुरानी बस्ती, रायपुर
3. छत्तीसगढी दिग्दर्शन (भाग 1, 2, 3) : मदन लाल गुप्ता, श्री प्रकाशन, ए–14, आदर्श नगर, दुर्ग
4. छत्तीसगढी गीत : सं. जमुना प्रसाद कसार, श्री प्रकाशन, ए–14, आदर्श नगर, दुर्ग
5. छत्तीसगढी लोकनाट्य नाचा : महावीर अग्रवाल, श्री प्रकाशन, दुर्ग
6. छत्तीसगढी का उद्‌विकास : डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा
7. छत्तीसगढी बोली व्याकरण और कोश : डॉ. कांति कुमार जैन,
8. छत्तीसगढी लोकसाहित्य का अध्ययन : दयाशंकर शुक्ल, वैभव प्रकाशन, रायपुर
9. छत्तीसगढी लोक जीवन और लोक साहित्य का अध्ययन : डॉ. शकुन्तला वर्मा
10. छत्तीसगढी लोकनाट्यों में शास्त्रीय तत्व, डॉ. शैलजा चन्द्राकर, श्री लब्धिसूरी फाउण्डेशन,दुग्गड़ सदन,दुर्ग
11. छत्तीसगढी साहित्य का ऐतिहासिक अध्ययन, नंद किशोर तिवारी
12. लोक मंड़ई: सं. डॉ. जयप्रकाश, लोक मड़ई उत्सव समिति, ग्राम आलिवारा, तह. डोंगरगढ़ जि.राजनांदगांव
13. छत्तीसगढी व्याकरण : डॉ. चंद्र कुमार चंद्राकर, शताक्षी प्रकाशन, रायपुर
14. छत्तीसगढी शब्दकोश : डॉ. चंद्रकुमार चंद्राकर, शताक्षी प्रकाशन, रायपुर
15. छत्तीसगढी के प्रकाशित आंचलिक उपन्यास : डॉ. श्रीमती कृष्णा चटर्जी – वैभव प्रकाशन दिल्ली
16. माई कोठी के धान : जीवन यदु

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विभागाध्यक्ष :– डॉ. अभिनेष सुराना	**विभागीय सदस्य**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक	**डॉ. बलजीत कौर**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य	**प्रो.थानसिंह वर्मा**
विषय विशेषज्ञ :– डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक	**डॉ. जयप्रकाश साव**
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास	**डॉ. कृष्णा चटर्जी**
अन्य विभाग के प्राध्यापक :– श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत	**छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र** दीपकसोनी

सत्र 2022–2023
प्रथम सेमेस्टर
प्रश्नपत्र – पांचवाँ
लोक साहित्य (वैकल्पिक प्रश्नपत्र) भाग – 01
पाठ्यक्रम कोड – MHN - 105B

पूर्णांक –80

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों में–

1. भारतीय लोकजीवन के सैद्धांतिक स्वरूप के प्रति समझ विकसित करना।
2. देश की लोक-संपदा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना।
3. लोक-साहित्य और संस्कृत वांग्मय के बीच संवाद के विषय में सजगता विकसित करना।
4. श्रमजीवी समाज और उसकी संस्कृति के प्रति संवेदनशीलता और सम्मान के भाव का विकास करना।

पाठ्यक्रम विवरण

इकाई 1. लोक और लोकवार्ता, लोकवार्ता और विज्ञान।
लोक संस्कृति – अवधारणा, लोकवार्ता और लोक संस्कृति, लोक संस्कृति और साहित्य।
लोक–साहित्य : अवधारणा, संस्कृत वाड्.मय में लोकोन्मुखता।
हिन्दी के आरंभिक साहित्य में लोक तत्व, वर्तमान अभिजात साहित्य और लोक साहित्य का अंतः संबंध।
लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध।

इकाई 2. भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास।
हिन्दी लोक साहित्य के विशिष्ठ अध्येता। लोक–साहित्य की अध्ययन–प्रक्रिया एवं संकलन की समस्यायें।
लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण – लोकगीत, लोकनाट्य, लोककथा, लोकगाथा, लोकनृत्य–नाट्य। लोकसंगीत।

इकाई 3. लोकगीत – संस्कारगीत, व्रतगीत, जातिगीत।
लोकनाट्य – रामलीला, रासलीला, कीर्तनियां, स्वांग, यक्षगान, भवाई सँपेड़ा, विदेसिया, माच, भाँड़, तमाशा, नौटंकी, जात्रा, कथकली।
हिन्दी लोकनाट्य की परंपरा एवं प्रविधि।
हिन्दी नाटक एवं रंगमंच पर लोकनाट्यों का प्रभाव।
लोककथा– व्रतकथा, परीकथा, नागकथा, बोधकथा, कथानक– रूढ़ियाँ अथवा अभिप्राय।

इकाई 4. लोकगाथा– ढोला–मारू, गोपीचंद–भरथरी, लोरिकायन, नल–दमयंती, लैला–मजनूँ, हीर–रांझा, सोहनी–महिवाल, लोरिक–चंदा, बगड़ावत, आल्हा–हरदौल।
लोक–नृत्य–नाट्य। लोक–संगीत : लोकवाद्य तथा विशिष्ठ लोक धुनें।
लोक–भाषा : लोक–सुभाषित, मुहावरे, कहावतें, पहेलियाँ।

पाठ्यकम अधिगम परिणाम

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरांत विद्यार्थियों में

1. भारतीय लोकजीवन के सैद्धांतिक स्वरूप के प्रति समझ विकसित हो सकेगी।
2. देश की लोक–संपदा के प्रति जागरूकता विकसित हो सकेगी।
3. लोक–साहित्य और संस्कृत वांग्मय के बीच संवाद का सम्यक ज्ञान हो सकेगा।
4. अभिजात साहित्य और लोक–साहित्य के बीच अंतरसंबंधों की समझ विकसित हो सकेगी।
5. श्रमजीवी समाज और उसकी संस्कृति के प्रति संवेदनशीलता और सम्मान के भाव का विकास होगा।

अंक विभाजन

	इकाई–I	इकाई–II	इकाई–III	इकाई–IV
अतिलघूत्तरी(2 प्रश्न) अधिकतम 2 वाक्य	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक	2 x 2 = 4 अंक
लघूत्तरी (1 प्रश्न) 150–200 शब्द	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक	1 x 6 = 6 अंक
दीर्घ उत्तरी (1 प्रश्न) 300–350 शब्द	1x10 = 10 अंक	1x10=10 अंक	1x10= 10अंक	1x10 = 10 अंक

दीपकरजौनी

नोट :

- प्रश्न क्रमांक 1 तथा प्रश्न क्रमांक 2 के प्रश्न अनिवार्य होंगे।
- प्रश्न क्रमांक 3 तथा प्रश्न क्रमांक 4 के अंतर्गत दो वैकल्पिक प्रश्न होंगे जिनमें से एक को हल करना होगा।
- उपरोक्तानुसार प्रत्येक इकाई से दो अनिवार्य अति लघूत्तरी प्रश्न (2+2 अंक), एक आंतरिक विकल्पयुक्त लघूत्तरी प्रश्न (4 अंक) तथा एक आंतरिक विकल्प युक्त दीर्घ उत्तरी प्रश्न (12 अंक) पूछे जाएँगे। इस तरह प्रत्येक इकाई से 20 अंक तथा पाठ्यक्रम की चार इकाईयों से कुल 80 अंक के प्रश्न होंगे।

संदर्भ :–

1. लोक–साहित्य विज्ञान : डॉ. सत्येन्द्र
2. लोकसाहित्य की भूमिका : डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
3. राजस्थानी लोकसाहित्य का सैद्धांतिक विवेचन : डॉ. सोहनदान चारण
4. हिन्दी का प्रादेशिक लोकसाहित्य शास्त्र : डॉ. नन्दलाल कल्ला

- **हस्ताक्षर अध्ययन मण्डल :–**

विभागाध्यक्ष :– **डॉ. अभिनेष सुराना**	**विभागीय सदस्य**
विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. शंकरमुनि राय, सहायक प्राध्यापक**	**डॉ. बलजीत कौर**
विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. कोमल सिंह शार्वा, सेवा निवृत्त प्राचार्य**	**प्रो.थानसिंह वर्मा**
विषय विशेषज्ञ :– **डॉ. उमाकांत मिश्र, सहायक प्राध्यापक**	**डॉ. जयप्रकाश साव**
उद्योग क्षेत्र प्रतिनिधि :– **डॉ. दादूलाल जोशी, संपादक विचार विन्यास**	**डॉ. कृष्णा चटर्जी**
अन्य विभाग के प्राध्यापक :– **श्री जैनेन्द्र दीवान, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत**	**छात्रप्रतिनिधि – श्री दीपक सोनी, भूतपूर्व छात्र** दीपक सोनी